



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 369]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 11, 2009/अग्रहायण 20, 1931

No. 369]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 11, 2009/AGRAHAYANA 20, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2009

विषय : यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थायोनाइल क्लोराइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-जांच समाप्ति।

फा. सं. 14/1/2008-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) एवं उसके तहत बनाए गए सीमा-शुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

1. यतः, मैसर्स ग्वालियर केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, नागदा एवं मैसर्स ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज लि., वडोदरा (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने यूरोपीय संघ (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थायोनाइल क्लोराइड (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष उक्त अधिनियम एवं नियमावली के अनुसरण में एक आवेदन प्रस्तुत किया है और सम्बद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण हेतु जांच शुरू करने का अनुरोध किया है।

क. प्रक्रिया

2. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :—

- प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसरण में सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए, दिनांक 23 जून, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था और जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों एवं सम्बद्ध देशों से संबंधित दूतावासों को भिजवाई गई थीं।

(ii) जाँच दिनांक 1.01.2007 से 31.12.2007 (जाँच अवधि) की अवधि हेतु की गई थी। क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में अप्रैल, 2004- मार्च, 2005, अप्रैल 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 की अवधि तथा जाँच अवधि को शामिल किया गया था।

(iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस जाँच के प्रारम्भिक जाँच परिणाम दिनांक 31 मार्च, 2009 को जारी किए गए थे।

(iv) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए दिनांक 05.05.2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया था, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। सार्वजनिक सुनवाई के उपरांत हितबद्ध पक्षकारों ने लिखित निवेदन तथा उत्तर प्रस्तुत किए थे।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद थायोनाइल क्लोराइड है, जिसका रासायनिक सूत्र SOCl_2 है, जिसे सल्फ्यूरस ऑक्सी क्लोराइड, सल्फ्यूरस डाइक्लोराइड, साल्फिनाइल क्लोराइड, डाई क्लोरो सल्फॉक्साइड आदि के नाम से भी जाना जाता है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 28 के अन्तर्गत भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के उपशीर्ष 28121047 के तहत वर्गीकृत एक अकार्बनिक रसायन है।

ग. घरेलू उद्योग

4. पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण हेतु याचिका मेसर्स ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज लि० तथा मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि. द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत की गई थी। प्राप्त सूचना एवं जाँच के आधार पर प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत अधिसूचना एवं प्रारम्भिक जाँच परिणाम में उल्लेख किया था कि आवेदक कंपनियों का भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात (समर्थक को छोड़कर 86.53%) है, अतः नियम 2(ख) के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग हैं और समर्थनकर्ता के उत्पादन आंकड़ों के साथ आवेदकों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अन्तर्गत स्पष्ट अधिकार है।

5. दिनांक 5 मई, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई के दौरान मेसर्स जेएसए एसोसिएट्स (मेसर्स लेनजीज, निर्यातक के सलाहकार) ने प्राधिकारी को सूचित किया था कि मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० के रसायन व्यवसाय का अधिग्रहण मेसर्स लेनजीज इण्डिया प्रा०लि० (अर्थात् सम्बद्ध देश के सम्बद्ध निर्यातक की सहायक कंपनी) ने कर लिया है और उन्होंने जाँच समाप्त करने का अनुरोध किया था।

6. उपर्युक्त मुद्दे के संबंध में घरेलू उद्योग के अधिकृत प्रतिनिधि मेसर्स ए.के. गुप्ता ने सार्वजनिक सुनवाई के उपरांत किए गए निवेदन में निम्नानुसार निवेदन किया:-

(i) करार हस्ताक्षरित किया जाना जांच शुरूआत के बाद हुआ घटनाक्रम है और इसका वर्तमान जांच पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। चूंकि ग्वालियर केमिकल्स सै निर्यातक के साथ करार हस्ताक्षरित किया है अतः प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के दायरे में संशोधन किया जाए। इसके अतिरिक्त यह भी उल्लेख किया गया कि ग्वालियर केमिकल्स अब सम्बद्ध देश के विचाराधीन उत्पाद के एकमात्र निर्यातक से संबंधित है। अतः ग्वालियर केमिकल्स को अनर्ह घरेलू उद्योग माना जाए और घरेलू उद्योग के दायरे को पुनः परिभाषित करके उसमें ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज तथा अन्य घरेलू उत्पादकों को शामिल किया जाए। ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में प्रमुख हिस्सा है, अतः इसे घरेलू उद्योग होने की पात्रता है। यह भी कहा गया कि कार्यवाही के प्रत्येक चरण में घरेलू उद्योग का दायरा पुनः परिभाषित हो जाता है। यह भी सम्भव है कि जांच शुरूआत, प्रारम्भिक जांच परिणाम तथा अन्तिम जांच परिणाम के चरण में घरेलू उद्योग का दायरा अलग-अलग हो, जैसाकि डब्ल्यूटीओ का भी अभिमत है।

7. मेसर्स जेएसए एडवोकेट एण्ड सॉलीसिटर्स ने सार्वजनिक सुनवाई के उपरान्त किए गए निवेदनों में निम्नानुसार निवेदन किया है:-

(i) सम्पूर्ण याचिका, जिस पर माननीय प्राधिकारी ने कार्यवाही की है, पर कार्रवाई इस आधार पर की गई कि दो याचिकाकर्ताओं का संयुक्त रूप से बाजार हिस्सा होने के कारण उनका योगदान 50% से अधिक है। यह सुझाव तथ्यात्मक रूप से गलत और कानून की दृष्टि से अमान्य है कि घरेलू गणना के बीच ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि. को हटा दिया जाए तो ट्रांसपेक का हिस्सा 50% से अधिक होगा। उन्होंने यह भी तर्क प्रस्तुत किया है कि इस बात का विरोध करते हुए कि ट्रांसपेक की याचिका पर कार्रवाई की जा सकती है, माननीय प्राधिकारी के लिए केवल ट्रांसपेक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर, सभी गणनाओं और ग्वालियर केमिकल्स द्वारा प्रदत्त सूचना को अस्वीकार करते हुए नए सिरे से जांच की शुरूआत करना अपेक्षित होगा। आगे यह भी जोड़ा गया कि अब दो याचिकाकर्ताओं में से किसी एक द्वारा प्रस्तुत याचिका मान्य की जा सकती है, कानून के विरुद्ध है।

(ii) मेसर्स जेएसए ने सम्बद्ध उत्पादक के नाम को बदलकर लैनजीज एजी, जैसा कि प्रारम्भिक जांच परिणाम में उल्लेख किया गया है, से लैनजीज ड्यूशलेण्ड जीएमबीएच करने का अनुरोध किया।

ड. जांच हेतु विश्वसनीय माने गए दस्तावेज

8. इस मुद्दे की जांच करते समय प्राधिकारी को निम्नलिखित दस्तावेज प्राप्त हुए थे, जिन्हें जांच के प्रयोजनार्थ विश्वसनीय माना गया।

- (i) मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि. ने दिनांक 20 अगस्त, 2009 के अपने पत्र के माध्यम से लैंक्सजीज इण्डिया प्रा.लि. को अपने रसायन व्यवसाय की बिक्री किए जाने के बारे में और याचिका को वापस लेने के बारे में सूचित किया एवं जांच समाप्त करने का अनुरोध किया।
- (iii) इसके पश्चात मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० ने दिनांक 2 अक्टूबर, 2009 के पत्र के माध्यम से सूचित किया कि उन्होंने नागदा स्थित अपना रसायन व्यवसाय दिनांक 1 सितम्बर, 2009 से मेसर्स लैंक्सजीज इण्डिया प्रा०लि० को बेच दिया है।
- (iv) तत्पश्चात मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० ने दिनांक 02 सितम्बर, 2009 के अपने पत्र द्वारा मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज के लिस्टिंग विभाग तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया को सूचित किया कि मेसर्स लैंक्सजीज इण्डिया प्रा.लि. को नागदा स्थित रसायन व्यवसाय के हस्तांतरण की कार्यवाई दिनांक 01 सितम्बर, 2009 को पूरी की जा चुकी है।
- (v) मेसर्स जेएसए एडवोकेट एंड सॉलीसिटर्स ने दिनांक 27 अक्टूबर 2009 के अपने पत्र द्वारा पुष्टि की है कि दिनांक 01 सितम्बर, 2009 को सभापन ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ व्यवसाय की बिक्री/खरीद की कार्यवाई पूरी की जा चुकी है।
- (vi) दिनांक 8 जून, 2009 के व्यवसाय हस्तांतरण करार की एक प्रति, मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० एवं मेसर्स लैंक्सजीज इण्डिया प्रा०लि० के बीच दिनांक 01 सितम्बर, 2009 को हस्तारित समापन ज्ञापन की प्रति।

ड. प्राधिकारी द्वारा जाँच

9. नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य है सभी घरेलू उत्पादक, जो समान वस्तु के विनिर्माण अथवा उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा वह जिनका कथित वस्तु के सामूहिक उत्पादन का उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है, सिवाय जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबद्ध हो अथवा स्वयं उसके आयातक हों, और ऐसे मामले में उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं समझा जाएगा।

10. नियम 5 के अनुसार जाँच की शुरुआत - उप नियम (4) में किए गए उपबंध को छोड़कर निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल घरेलू उद्योग से अथवा उसकी ओर से एक लिखित आवेदन प्राप्त होने पर ही कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने के लिए जांच की शुरुआत करेंगे।

नियम 5(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी उप नियम (1) के अन्तर्गत किए गए आवेदन के अनुसरण में जांच की शुरुआत नहीं करेंगे, जब तक कि:-

(क) समान उत्पाद हेतु घरेलू उद्योग द्वारा किए गए समर्थन अथवा विरोध की सीमा के जांच के आधार पर यह निर्धारित न हो जाए कि आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया है। बशर्ते कोई जांच शुरू नहीं की जाएगी, यदि आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों की संख्या घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन की पच्चीस प्रतिशत से कम हो; और

(ख) वह आवेदन में उपलब्ध कराए गए साक्ष्य की सत्यता और पर्याप्तता की जांच करके स्वयं को संतुष्ट न कर लें कि निम्नलिखित के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है :-

- (i) पाटन
- (ii) क्षति, जहां लागू हो, और
- (iii) जहां लागू हो, जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए ऐसे पाटित आयातों और कथित पाटन के बीच कारणात्मक संबंध।

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजनार्थ आवेदन को घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत माना जाएगा यदि उन घरेलू उत्पादकों ने इसका समर्थन किया हो जिनका सामूहिक उत्पादन आवेदन का यथास्थिति समर्थन अथवा विरोध करने वाले घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन का पचास प्रतिशत से अधिक है।

11. नियम 14 के अनुसार - निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक सूचना जारी करके जांच को तुरंत समाप्त करेंगे, यदि:-

'(क) उन्हें प्रभावित घरेलू उद्योग से जिसके अनुरोध पर जांच शुरू की गई थी, अथवा उसकी ओर से ऐसा करने के लिए एक लिखित अनुरोध प्राप्त होता है;'

12. संबंधित पार्टियों द्वारा प्रस्तुत दिनांक 8 जून, 2009 के व्यवसाय हस्तांतरण करार तथा मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० एवं मेसर्स लैंक्सजीज इण्डिया प्रा.लि. के बीच हस्ताक्षरित दिनांक 1 सितम्बर, 2009 के समापन ज्ञापन में निर्धारित विभिन्न खण्डों की जांच करते समय यह नोट किया गया कि हस्तांतरित व्यवसाय का विलेख एवं जोखिम समापन ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तारीख अर्थात् 01 सितम्बर, 2009 से क्रेता को अंतरित तथा प्रदान कर दिया गया है।

13. यह भी नोट किया गया है कि जांच की शुरुआत एवं जांच के प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करते समय घरेलू उद्योग के घटकों की स्थिति निम्नानुसार थी:-

| | जांच अवधि के दौरान उत्पादन का हिस्सा (मी.टन) | हिस्से का प्रतिशत |
|----------------------|--|-------------------|
| पक्षकार | जनवरी 07-दिस. 07 (जांच अवधि) | जांच अवधि |
| ग्वालियर केमिकल्स | 26,353 | 51.76 |
| ट्रांसपेक इंडस्ट्रीज | 17,704 | 34.77 |
| कुल याचिकाकर्ता | 44,057 | 86.53 |
| श्री सल्फ्यूरिक | 6,861 | 13.47 |
| मीनाक्षी केमिकल्स | - | - |
| इंपार्को केमिकल्स | - | - |
| कुल भारतीय उत्पादन | 50918 | 100 |

14. जांच की शुरुआत के समय तथा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करते समय मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० का घरेलू उत्पादन में प्रमुख हिस्सा (लगभग 53%) था। चूंकि दिनांक 01 सितम्बर, 2009 को सामान्य ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के साथ व्यवसाय हस्तांतरण की कार्यवाही पूरी हो गई थी, अतः यह पाया गया कि जांच की समाप्ति का अनुरोध करते समय मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का ही भाग थे।

15. यह नोट किया जाता है कि जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि. एवं ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज लि० को नियम 5 के अनुसार समर्थन सहित स्पष्ट अधिकार था और कुल उत्पादन में 86.53% के योगदान के कारण नियम 2(ख) के साथ पठित नियम 5(3) के अनुसार वह घरेलू उद्योग थे, परंतु मेसर्स ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि० के दिनांक 26 अगस्त, 2009 से, अर्थात् जिस तारीख को उन्होंने प्राधिकारी को लिखित में हटने की सूचना दी थी, याचिका से हटने के कारण अन्य याचिकाकर्ता अर्थात् मेसर्स ट्रांसपेक इण्डस्ट्रीज लि० का समर्थन सहित कुल घरेलू उत्पादन में 50% से कम का योगदान है अतः वह नियम 2(ख) के साथ पठित नियम 5(3) के अन्तर्गत निर्धारित अधिकार के मानदण्ड को पूरा नहीं करते।

16. उपर्युक्त तथ्यों तथा उनकी जांच के आधार पर प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि सामान्य ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ व्यवसाय हस्तांतरण की कार्यवाही दिनांक 1 सितम्बर, 2009 को पूरी कर ली गई है, अतः ग्वालियर केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड घरेलू उत्पादन में 51% से अधिक हिस्सा होने के कारण आज की तारीख के अनुसार घरेलू उद्योग है, जिस तारीख को उन्होंने याचिका वापस लेने और जांच समाप्त करने का लिखित अनुरोध किया है।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम के पैरा 78 में मेसर्स लैंक्सजीज एजी के नाम का उल्लेख त्रुटिवश उत्पादक के रूप में किया गया है जिसे लैंक्सजीज ड्यूशलेण्ड जीएमबीएच पढ़ा जाना चाहिए।

च. निष्कर्ष

18. अतः उपर्युक्त नियमावली के नियम 14(क) के अन्तर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थायोनाइल क्लोराइड के आयातों के विरुद्ध दिनांक 23 जून, 2008 की अधिसूचना सं.फा.सं. 14/1/2008-डीजीएडी द्वारा शुरू की गई जांच को एतद्वारा समाप्त करते हैं और दिनांक 29 अप्रैल, 2009 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 40/2009-सीमाशुल्क द्वारा लगाए गए अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश करते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 2009

Sub: Anti-Dumping Investigation involving imports of Thionyl Chloride originating in or exported from the European Union – Termination of Investigation.

F.NO. 14/1/2008-DGAD:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

1. WHEREAS M/s Gwalior Chemicals & Industries Ltd., Nagda and M/s. Transpek Industry Ltd., Vadodara (herein after referred to as the applicants) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of Thionyl Chloride (hereinafter referred to as the subject goods), originating in or exported from the European Union (hereinafter referred to as subject country) and requested for initiation of an investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.

A. Procedure

2. Procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority :

(i) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants had issued a public notice dated 23rd June, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules and copies of initiation Notification were sent to the known interested parties and concerned embassies of the subject countries.

(ii) Investigation was carried out for the period starting from 1.01.2007 to 31.12.2007 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods April, 2004-March, 2005, April, 2005-March, 2006, April, 2006-March, 2007 and the POI.

(iii) The preliminary findings of the investigation were issued by the Designated Authority on 31st March, 2009.

(iv) The Authority held a public hearing on 5.05.09 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the interested parties. Following the public hearing, written submissions and rejoinders were submitted by the interested parties.

B. Product under Consideration and Like Article

3. The Product under consideration in the present petition is Thionyl Chloride, having chemical formula SOCl_2 , also known as Sulfurous Oxychloride, Sulfurous Dichloride, Sulfinyl Chloride, Sulfinyl Dichloride, Dichlorosulfoxide etc. It is an inorganic chemical classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading no. 28121047 of Indian Trade Classification (Based on Harmonized Commodity Description and Coding system).

C. Domestic Industry

4. The petition for imposition of anti dumping duty was jointly filed by M/S Transpek Industry Ltd. and M/s Gwalior Chemicals Industries Ltd. On the basis of the information received and examination, the Authority noted in the initiation Notification and preliminary findings that the applicant companies constituted a major proportion (86.53% excluding the supporter) in Indian production and therefore the applicants constituted the domestic industry in terms of Rule 2(b) together with production figure of the supporters, the applicants had a clear standing in terms of Rule 5(3) of the Anti Dumping Rules.

5. During the public hearing held on dated 05th May, 2009, M/S JSA Associates (Consultants to M/s Lanxees, the subject exporter) informed the Authority that Chemical Business of M/S Gwalior Chemicals Industries Limited is being taken over by M/S Lanxess India Pvt. Limited (i.e. subsidiary of the subject exporter from the subject country) and requested for termination of investigation.

6. On the above issue M/s A.K.Gupta, the authorised representatives of the domestic industries, in their post public hearing submissions, submitted as follows:

(i) Signing of Agreement is a post initiation development and does not vitiate the present investigations. Since Gwalior Chemicals has signed an Agreement with the exporter, the Authority may kindly be revised the scope of the domestic industry. It was also added that Gwalior Chemicals is now related to the sole exporter of the product under consideration from the subject country. Gwalior Chemicals may, therefore, be taken ineligible domestic industry and the scope of the domestic industry may be redefined to include Transpek industries and other domestic producers. Production of Transpek Industries represents a major share in Indian production and, therefore, qualifies as domestic industry. It was also added that the scope of domestic industry gets redefined at each stage of the proceedings. It is quite likely that the scope of the domestic industry at the stage of initiation, preliminary finding and final findings is different., as held by WTO as well.

7. M/S JSA Advocate & Solicitors, in their post public hearing submissions, submitted as follows:

(i) The entire petition, upon which the Hon'ble Authority has acted, proceeds on the basis that the petitioners comprise over 50% as a result of the two petitioners collectively having such a market share. The suggestion that Transpek would have over 50% if Gwalior Chemicals Industries Ltd. was now removed from the domestic calculations half-way through the investigation is both factually incorrect and unsustainable in law. They have also argued that even assuming whilst denying that a petition was maintainable at all by Transpek alone, the Hon'ble Authority would be required to commence a de novo fresh enquiry on the basis of figures provided by only Transpek and discard all calculations and reliance on any Gwalior input. It was also added that the suggestion that the petition can now be maintained by one out of two petitioners is contrary to law.

- (ii) M/S JSA requested to rectify the name of the subject producer as Lanxess Deutschland GmbH instead of Lanxess AG as mentioned in the preliminary findings.

D. Documents Relied upon for Examination

8. While examining the issue following documents were received and relied upon for examination by the Authority:

(i) M/S Gwalior Chemicals Industries Limited had intimated in writing vide their letter dated 26th August, 2009 the sale of their chemical business to M/s Lanxess India Private Ltd., informed their withdrawal from the petition and requested for termination of investigation.

(iii) Further, vide letter dated 02nd October, 2009, M/s Gwalior Chemical Industries Ltd. informed that they have sold their Chemical Business, located at Nagda, to M/S Lanxess India Pvt. Ltd. as on 1st September, 2009.

(iv) Subsequently, M/S Gwalior Chemical Industries Limited, vide their letter dated 02nd September, 2009 has informed the listing Department of Bombay Stock Exchange and National Stock Exchange of India Ltd. that the transfer of chemical business situated at Nagda to M/s Lanxess India Pvt. Limited has been completed w.e.f 01st September, 2009.

(v) M/S JSA, Advocate & Solicitors, vide their letter dated 27th October, 2009 have confirmed that the sale/purchase of the business has been completed with the signing of the closing memorandum on 01st September, 2009.

(vi) Copy of the Business Transfer Agreement dated 08th June, 2009 and copy of Closing Memorandum dated 01st Sep., 2009 signed between M/S Gwalior Chemicals Industries Limited and M/S Lanxess India Pvt. Limited.

E. Examination by the Authority

9. In terms of Rules 2(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry.

10. In terms of Rule 5- Initiation of Investigation.- (1) Except as provided in sub-rule (4), the designated authority shall initiate an investigation to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping only upon receipt of a written application by or on behalf of the domestic industry.

Rule 5 (3) The designated authority shall not initiate an investigation pursuant to an application made under sub-rule (1) unless –

(a) it determines, on the basis of an examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product, that the application has been made by or on behalf of the domestic industry. Provided that no investigation shall be initiated if domestic producers expressly supporting the application account for less than twenty five per cent of the total production of the like article by the domestic industry, and

(b) it examines the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and satisfies itself that there is sufficient evidence regarding-

- (i) dumping,
- (ii) injury, where applicable; and
- (iii) where applicable, a casual link between such dumped imports and the alleged injury, to justify the initiation of an investigation.

Explanation. - For the purpose of this rule the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application.

11. In terms of Rule 14- The Designated Authority shall, by issue of a public notice, terminate an investigation immediately if-

“(a) it receives a request in writing for doing so from or on behalf of the domestic industry affected, at whose instance the investigation was initiated;”

12. While examining the various clauses laid down in the Business Transfer Agreement dated 08th June, 2009 and the Closing Memorandum dated 01st September, 2009 signed between M/S Gwalior Chemicals Industries Limited and M/s Lanxess India Pvt. Ltd. and furnished by the concerned parties, it has been noted that the title to, and risk in, the Transferred Business has stood transferred and passed to the purchaser with effect from the signing of the Closing Memorandum i.e. 01st September, 2009.

13. It has also been noted that at the time of initiation of investigation as well as Notification of preliminary finding of investigation, the standing of the constituents of the domestic industry was as follows:

| | Production share during POI (in Mt) | Percentage of Share |
|-------------------------|--|------------------------|
| Party | Jan07-Dec07 (POI) | POI |
| Gwalior Chemicals | 26,353 | 51.76 |
| Transpek Industries | 17,704 | 34.77 |
| Total petitioners | 44,057 | 86.53 |
| Shree Sulphuric | 6,861 | 13.47 |
| Minakshi Chemicals | - | - |
| Emparco Chemicals | - | - |
| Total Indian production | 50918 | 100 |

14. M/S Gwalior Chemicals Industries Limited had a major share (App. 52%) in the domestic production at the time of initiation of investigation as well as at the time of Notification of preliminary findings. Since the business transfer transaction was completed with the signing of the closing memorandum on 01st September, 2009, it is observed that at the time of requesting for the termination of the investigation, M/S

Gwalior chemicals Industries Limited had very much constituted part of the domestic industry in terms of Rule 2 (b).

15. It is noted that at the time of initiation of investigation the petitioners M/S Gwalior Chemicals Industries Limited and Transpek Industries Limited alongwith the support had clear standing in terms of Rule 5 and constituted domestic industry in terms of Rule 5(3) read with Rule 2(b) by virtue of accounting for 86.53% of total domestic production, but with the withdrawal of M/S Gwalior Chemicals Industries Limited from the petition, with effect from 26th August, 2009 i.e. the date on which they informed their withdrawal to the Authority in writing, the other petitioner i.e. M/S Transpek Industries Limited along with support constitutes less than 50% of total domestic production and therefore does not fulfill the criteria of standing laid down under Rule 5 (3) read with Rule 2(b).

16. On the basis of the facts mentioned above and examination, the Authority observes that the business transfer transaction has been completed on 01st September, 2009 with the signing of Closing Memorandum and therefore M/S Gwalior Chemicals Industries Limited had constituted domestic industry, by virtue of holding more than 51% share in the domestic production, as on the date on which they informed in writing their withdrawal from the petition and requested for termination of the investigation.

17. Authority observes that in para 78 of preliminary findings the name of M/S Lanxess AG has been erroneously mentioned as producer, which should be read as Lanxess Deutschland GmbH.

F. CONCLUSION

18. Therefore, under the Provisions of Rule 14(a) supra the Designated Authority hereby terminates this investigation which was initiated vide Notification No. F.NO. 14/1/2008-DGAD dated 23rd June, 2008 against imports of Thionyl Chloride originating in or exported from the European Union and recommends revocation of the provisional anti-dumping duty imposed vide Customs Notification No.40/2009-Customs dated 29th April, 2009.

R. GOPALAN, Designated Authority